[प्रो निर्मला कुमारी शक्तावत]

शुरू से आखिर तक व्यय करने पड़ते हैं । पर इस व्यय का पूरा उपयोग नहीं होता क्योंकि सैनिक स्कूलों में शिक्षा प्राप्त 70 प्रतिशत विद्यार्थी एन० डी० ए० में पास नहीं हो पाते । अतः वह सभी बच्चे सामान्य स्कूलों के बच्चों के समान दूसरे कालेजों में भटकते हैं और इन पर किया गया सारा खर्चा व्यर्थ हो जाता है । अतः मैं रक्षा मंत्री जी से पुरजोर शब्दों में निवेदन करूंगी कि देश में नये 5 रीजनल सैनिक कालेज बनें । उनमें से एक राजस्थान में भी हो क्योंकि यह वीरों की भूमि रही है ।

इन सैनिक कालेजों का बनाने में सरकार का बहुत अधिक खर्चा भी नहीं होगा क्योंकि सैनिक स्कूलों के पास पर्याप्त भूमि है जहां इन्हें बनाया जा सकता है । विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई तथा रहने का खर्चा करने के बाद यू० जी० सी० द्वारा प्रदत्त राशि से इन सैनिक कालेजों को चलाया जा सकता है । ऐसे रीजनल सैनिक कालेजों के बनने से सरकार सैनिक स्कूल से निकले विद्यार्थियों पर किये गये व्यय का सदुपयोग कर सकेगी । विद्यार्थी स्नातक स्तर तक सैनिक शिक्षा लेने के बाद किसी भी जल, थल और नभ रक्षा सेवा के लिए तैयार हो जायेंगे । एन० डी० ए० के अतिरिक्त अन्य आो0 टी0 एस0; आई० एम० ए० या अन्य रक्षा सेवा में जा सकेंगे ।

MR. DEPUTY SPEAKER: Shri Mool Chand Daga and Shri Girdhari Lal Vyas support i.

प्रो० निर्मला कुमारी शक्तावत : यहां से शिक्षा प्राप्त व्यक्ति रक्षा सेवा में नहीं जा सके, वह सैनिक स्कूलों के लिए अच्छे व्याख्याता भी बन सकेंगे । अतः रीजनल सैनिक कालेज की योजना पर सरकार ध्यान दे ।

(v) FINANCIAL ASSISTANCE TO PRISONERS RELEASED RECENTLY FROM PAKISTAN JAILS

SHRI A. K. BALAN (Ottapalam): Mr. Deputy-Speaker, Sir, it is a matter of great relief and satisfaction that ten prisoners who were in the Pakistan jails for the last few years are at least released.

I had visited the psychiatric ward of Dr. Ram Manohar Lohia Hospital where they are put up.

Some of them have lost their mental balance and require psychiatric treatment. But five of them are quite normal and there is no need of keeping them in psychiatric ward which is already declared by medical authorities. Out of these, there are three people from Kerala who are from my constituency and nearby area. They are Mr. Neehikkatial Hyder of Vilayoor, Mr. Poonthiruthi Sivaraman of Irumbilassery (Ottappalam) and Mohammed Chembakabssery of Edakkara, Nilanbur. I had a detailed discussion with them and they disclosed me that they are very eager to meet their aged mothers and relatives whom they have not met for years. They come from very poor families and hence their relatives are not in a position to come to Delhi and receive them.

I take this opportunity to request the Government through you, Sir, to make all arrangements and meet the expenses so that they can reach Kerala without any delay and fulfil their long desire of meeting their relatives.

MR. DEPUTY SPEAKER: I also recommend this case to the Railway Minister. He will make the arrangement.

(vi) SETTING UP OF A FERTILIZER UNIT IN CENTRAL SECTOR AT SAWAI MADHOPUR IN RAJASTHAN

SHRI KRISHNA KUMAR GOYAL (Kota): Sir, a proposal to set up a fertiliser complex in the Central Sec-